

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर निविदा प्रपत्र

समन्वयक (पीटीईटी), महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, अमानत राशि रू. 6,000/— बैंकर चैक/ डी.डी.। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 200/— बैंकर चैक/डी.डी.। निविदा प्राप्ति की दिनांक 9—10—2017 दोपहर 2.00 बजे तक । निविदा खुलने की दिनांक95—10—2017 अपरान्ह 3.00 बजे व्यायकी अनुमानिट राशि 3 के

यः— वर्ष 2017 की पीटीईटी परीक्षा की काम में ली हुई बुकलेट्स एवं ओ0 एम0 आर0 शीट वे विक्रय हेतु निविदा।
निविदा प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम तथा डाक का पूरा पता
(अ) आर.एस.टी. नं(ब) सी.एस.टी. नं(स)जी.एस.टी. नं.
दूरभाष नं. (प्रतिष्ठान)
दूरभाष नं. (प्रतिष्ठान)
निविदा प्रपत्र के शुल्क की राशि रू. 200/— बैंकर चैक/डी.डी. रसीद सं द्वारा जमा करा दी गई है ।
निविदा सूचना सं. 03 दिनांक समाचार पत्र के
संस्करण में दिनांक को प्रकाशित हुई है , में वर्णित समस्त शर्तों का पालन करने के लिए हम सहमत हैं तथा उक्त निविदा सूचना की अन्य शर्तों, जो संलग्न पृष्ठों में दी गई है (जिनके समस्त पृष्ठों पर उनमें वर्णित शर्तों को हमारे द्वारा स्वीकार किए जाने के प्रतीक स्वरूप हमने हस्ताक्षर कर दिए है) का भी पालन करने के लिए हम सहमत है ।
पीटीईटी परीक्षा की काम में ली हुई बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट यथा स्थिति में मय हसन क्लॉथ/कार्टून के पीटीईटी कार्यालय में देखने के बाद खरीदने के लिए दर प्रति क्विंटल निम्नलिखित है।
1. बुकलेटस
उपरोक्त अंकित एवं प्रस्तावित दरें निविदा खोलने की तारीख से तीन माह तक वैध रहेगी। इससे आगे अवधि पारस्परिक सहमति से बढाई जा सकती है।
अमानत राशि रूपए बैंकर चैक/ड्राफ्ट सं दिनांक के
द्वारा जमा करा दी गई है । अमानत राशि के लिए चैक स्वीकार्य नहीं होगा ।
निविदा स्वीकृत होने के एक माह की अवधि में असफल निविदादाताओं को अमानत राशि लौटा दी जाएगी । सफल निविदादाता की अमानत राशि को प्रतिभूति राशि के एक भाग के रूप में मान लिया जावेगा, फलस्वरूप प्रतिभूति राशि कार्य संतोषप्रद निष्पादन होने के एक माह बाद शर्त सं. 23 के अनुसार लौटाई जाएगी एवं अमानत व धरोहर/प्रतिभूति राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा।



महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर निविदा एवं संविदा की शर्ते एवं प्रतिबंध

- 1. दरें प्रति विवंटल के हिसाब से अंकित की जानी चाहिए एवं अंकों तथा शब्दों दोनों में ही लिखी जानी चाहिए । इस कार्यालय द्वारा जारी किए अथवा वैब साईट से डाऊनलोड किए गए टेण्डर फार्म के अलावा किसी दूसरे पत्र में अंकित दरें स्वीकार नहीं की जाएगी । अंकों तथा शब्दों में लिखी हुई दरों में यदि अंतर पाया जाता है तो दोनों दरों में से उच्च दर को निविदा के प्रयोजनार्थ संज्ञान में लिया जाएगा।
- 2. टेण्डर मोहर बंद लिफाफे में अमानत राशि रू 6,000/— के साथ दिनांक25—10—2017 समय अपरान्ह 2.00 बजे तक समन्वयक, पीटीईटी, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पास पहुंच जाने चाहिए। अमानत राशि Co-ordinator, PTET & B.A./B.Sc. B.Ed 2017 महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के नाम से बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चैक के द्वारा जमा करायी जानी चाहिए। चैक स्वीकार नहीं किए जाएंगे । अमानत राशि के अभाव में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा ।
- 3. समन्वयक को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी टेंडर को बिना कोई कारण बताए आंशिक अथवा पूर्ण रूप से स्वीकृत अथवा निरस्त कर दें अथवा उपयोग में ली गई बुकलेट्स एवं ओ0 एम0 आर0 शीट को बिना कोई कारण बताए पूर्ण अथवा किश्तों में बेचा जा सकता है अथवा बेचना स्थिगत भी किया जा सकता है।
- 4. विश्वविद्यालय द्वारा दरें स्वीकृत किए जाने पर सम्पूर्ण माल कार्य आदेश की तारीख से 15 दिन के अन्दर उठा लेना होगा । इस अवधि में अवकाश के दिन भी शामिल है । निर्धारित अविधि में माल न उठाने पर गोदाम (स्थान) किराया नीचे लिखे अनुसार प्रतिदिन के हिसाब से लगेगा यह राशि सिक्यूरिटी राशि में से काट ली जाएगी ।

क्रसं.		गोदाम किराया		
1.	प्रथम सात दिन की देरी पर	रूपये	500/-	प्रति दिन
2.	द्वितीय सात दिन की देरी पर	रूपये	700/-	प्रति दिन
3.	तृतीय सात दिन की देरी पर तथा 30 दिन तक	रूपये	1000/-	प्रति दिन

- 5. जिनकी दरें स्वीकार होंगी उनको अनुमानित कुल मूल्य की चौथाई राशि Co-ordinator, PTET & B.A./B.Sc. B.Ed 2017 महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के नाम बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चैक से सिक्यूरिटी मनी (प्रतिभूति राशि) के रूप में दर स्वीकृति की सूचना मिलने के सात दिन में आवश्यक रूप से जमा करानी होगी एवं निर्धारित प्रपत्र में रू. 1,000/— के नॉन ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर करार निष्पादित करना होगा । सफल निविदादाता को प्रतिभूति राशि के अतिरिक्त सामग्री उठाते समय प्रत्येक लॉट की समिति द्वारा निर्धारित अनुमानित कीमत पीटीईटी कार्यालय में जमा करानी होगी । कीमत पूर्ण जमा होने पर ही माल उठा सकेगा । प्रतिभूति राशि का समायोजन किसी भी लॉट या अंतिम लॉट की कीमत में नहीं किया जावेगा तथा प्रतिभूति राशि शर्त सं. 22 के अनुसार ही लौटाई जावेगी । टेण्डर स्वीकृति के पश्चात सफल निविदाकार इकरारनामा निष्पादित करने में विफल रहता है तो इस प्रकार के विफल रहने को निबंधनों तथा शर्तों का भंग होना माना जावेगा तथा अमानत राशि जब्द कर ली जावेगी । तदोपरान्त बिना नोटिस अन्य निविदाकार को कार्यादेश देने का अधिकार विश्वविद्यालय को होगा ।
- 6. स्वीकृति पर सफल निविदादाता द्वारा निर्धारित अवधि 15 दिन में माल न उठाने पर समन्वयक को यह अधिकार होगा कि पुनः निविदा आमंत्रित कर अथवा अन्य निविदादाता को माल बेच सकें । इस प्रकार के विक्रय से यदि कोई हानि होती है तो हानि की रकम दोषी निविदादाता से PDR/LR Act से वसुली की जावेगी एवं जमा धरोहर राशि जब्त की जावेगी।
- 7. यदि इस माल के अलावा कोई अन्य सामान बाद में बेचने लायक हुआ तो उसे मौके पर ही बतला दिया जाएगा तथा निविदादाता उनकी भी दरें निविदा की अंतिम तिथि से पूर्व दे सकेंगे ।
- 8. माल भरने से पूर्व खाली बोरे तुलवाने होंगे । माल की वजनी तादाद दी गई है वह अन्दाजन है। माल कम या अधिक हो सकता है । माल उठाने एवं तुलवाने आदि का व्यय फर्म को ही वहन करना होगा ।

9. उपयोग में ली हुई बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट का निरीक्षण इच्छुक निविदादाता किसी भी कार्य दिवस में (प्रातः 11.00 से शाम 4.00 बजे तक) कार्यालय पीटीईटी में कर सकतें है ।

10. किसी भी प्रकार की विवादास्पद स्थिति में कुलपति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा । कानूनी कार्यवाही की स्थिति में राजस्थान में अजमेर स्थित न्यायालय ही क्षेत्राधिकार रहेगा ।

11. उपरोक्त शर्तो के अलावा / विपरीत निविदादाता द्वारा निविदा में जोडी गई कोई भी अन्य शर्त कतई मान्य नहीं होगी । सशर्त निविदा भी स्वीकार नहीं होगी ।

12. विक्रय राशि पर जी० एस० टी० यदि देय होने पर विश्वविद्यालय में माल उठाने से पूर्व नियमानुसार प्रचलित दर के हिसाब से राजकोष में जमा कराने के लिए विश्वविद्यालय में अलग से जमा कराना होगा ।

13. प्रयोग में ली गई बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट का विक्रय अधिकतम् दर पर करने के लिए विश्वविद्यालय बाध्य नहीं है ।

14. निविदा उन फर्मी / व्यापारियों द्वारा ही दी जानी है जो या तो उन वस्तुओं के लिए रजिस्टर्ड / अनुमोदित क्रेता हो, जिसके लिए निविदा दी जा रही है वास्तव में व्यवसाय कर रहा हो तथा फर्म के पास जी.एस.टी. नंबर होना चाहिए।

15. निविदाकार अपनी निविदा अथवा उसके सारभूत किसी भाग को न तो किसी अन्य एजेन्सी को

सौंप सकेगा और न किसी को आगे निविदा पर दे सकेगा ।

16. निविदा दाता द्वारा जमा करायी गई अमानत राशि असफल निविदादाता को दरें स्वीकृत होने के एक माह के भीतर लौटा दी जायेगी । सफल निविदादाता की अमानत राशि प्रतिभूति राशि के एक भाग के रूप में समायोजित कर ली जाएगी।

17. निविदाकार को निविदा एवं संविदा की शर्तो एवं प्रतिबंध की स्वीकृति के प्रतीकस्वरूप निविदा के

प्रपत्र एवं निविदा शर्तो के प्रत्येक पृष्ठ के अन्त में हस्ताक्षर करने हैं ।

18. निविदादाता माल (बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट सामग्री) देख कर माल के वजन का अन्दाजा लगा कर टेण्डर दे । समस्त माल जिस स्थिति में जहा–जहां पर भी है कार्यालय से पूरा उठाना होगा । टेण्डर खुलने पर इस पर ध्यान नहीं दिया जावेगा कि अमुक माल उपर से अच्छा है और नीचे से खराब है।

19. परीक्षा की बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट आदि फर्म के द्वारा पल्प बनवाने हेतु सीधे मील को भिजवाना होगा तथा प्रमाण प्रत्र देना होगा कि समस्त सामग्री का पल्प मिल में बनवा दिया गया है । यदि उक्त सामग्री बाजार में विक्रय हेतु पाई गई अथवा अन्य प्रयोजनार्थ कहीं भी पाई जाना प्रमाणित हो तो संबंधित फर्म के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

20. फर्म को बिक्री कर शोधन प्रमाण पत्र संबंधित सक्षम अधिकारी का निविदा के साथ प्रस्तुत करना

होगा अन्यथा निविदा प्राप्त होने पर वह अस्वीकृत की जा सकती है ।

21. निबंधनों तथा शर्तो को भंग करने या संविदा को असंतोषप्रद ढंग से पूरा करने पर विश्वविद्यालय द्वारा पूर्णतः धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी । इस संबंध में विश्वविद्यालय का विनिश्चय ही अंतिम होगा ।

22. सफल निविदादाता को धरोहर की राशि (यदि उसमें अमानत राशि भी सम्मिलित की हुई है) संविदा के पूर्ण होने के पश्चात समस्त संबंधितों से संतोषप्रद माल उठाने की सूचना व शर्त सं. 19 के तहत प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर एक माह बाद लौटा दी जावेगी। ऐसी धरोहर राशि पर विश्वविद्यालय द्वारा कोई ब्याज देय नहीं होगा ।

23. नेगोशियेसन्स के अन्तर्गत मूल निविदा में अंकित दरों से कम दरें अंकित करते हैं अथवा कोई नई शर्त रखते हैं तो समिति को यह अधिकार होगा कि वह मूल निविदा की दरों को विश्वविद्यालय नियम के तहत स्वीकार कर लें । यदि नेगोशियेसन्स में मूल निविदा में अंकित दरों से अधिक दरें

आती है तो समिति अधिक दरों को स्वीकार करने के लिए अधिकृत होगी ।

24. निविदाकार को अपने कार्यालय व गोदाम के भू-गृह आदि का पूरा पता निश्चित रूप से देना चाहिए ताकि वहां जाकर निरीक्षण किया जा सके और उस व्यक्ति का नाम, पता व फोन नम्बर भी अवश्य दें जिससे इस कार्य हेतु सम्पर्क किया जा सके । ऐसे व्यापारियों जिन्होंने कारोबार नया ही शुरू किया जो उनके लिए अपने बैंकरों का परिचय पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा ।

25. विक्रय की गई बुकलेट्स एवं ओ० एम० आर० शीट का परिवहन अनुमोदित क्रेता को पूर्ण सावधानी के साथ इस प्रकार करना होगा कि समस्त सामग्री विश्वविद्यालय परिसर से उठाए जाने के बाद सीधे मिल में ही पहुंचे साथ ही उक्त सामग्री को मजबूत त्रिपाल आदि से चारों तरफ से इस ढंग से मजबती से कवर्ड करना होगा ताकि परिवहन के दौरान मार्ग में कहीं पर भी





ओ० एम० आर० शीट के गिरने की रिपोर्ट/जानकारी विश्वविद्यालय को आती है/होती है तो निविदादाता के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकेगी जिसके लिए निविदादाता स्वयं ही उत्तरदायी होगा ।

26. किसी भी शर्त में पूर्ण अथवा आंशिक रूप से शिथिलता प्रदान करने का अधिकार कुलपति को आरक्षित है ।

27. विश्वविद्यालय परिसर से सामग्री उठाने के पश्चात् मिल में भिजवाने की प्रक्रिया में यदि परिवहन वाहन को किसी स्थान पर रोका जाकर परिवहन विभाग द्वारा सीज कर लिया जाता है अथवा दुर्घटना आदि की स्थिति में संबंधित सीज चालान, पुलिस एफ.आई.आर. आदि की प्रति विश्वविद्यालय कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी तथा जिस वैकल्पिक वाहन के माध्यम से परिवहन की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है उसका वाहन नं० व अन्य सूचना देनी होगी।

निवि	दाकार	के	हस्त	गक्षर
पता–				



महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

करार का प्रारूप

			4/(1/ 4/1	NI/VIA	
1.	इसके प् वारिस, सरस्वती कहा ग	श्चात ''अनुमोदित क्रेता' उत्तराधिकारी निष्पादक विश्वविद्यालय, अजमेर	' कहा गया है) जि तथा प्रशासक सि के समन्वयक, अस्स में, जहां संदर्भ के अ	स अभिव्यक्ति में जह मिलित समझे जाएंगे जिन्हें इसमें नुकूल हो, छनके दुत	(जिसे इसमें ां संदर्भ के अनुकूल हो, उसके , दूसरी ओर महर्षि दयानन्द इनके पश्चात ''विश्वविद्यालय'' तराधिकारी तथा अभिहस्ताकिती
2.	मुख्याल ओ० ए	य पर इसके साथ सं	लग्न निविदा प्रपत्र तथा संविदा के प्रति	में उल्लेखित प्रयोग बंधों में दी गई रीति	रविद्यालय, अजमेर को उनके में ली गई बुकलेट्स एवं के अनुसार उल्लेखित दरों से
3.	चूंकि अ द्वारा उ	नुमोदित क्रेता ने डिमांण ग्युक्त करार के यथावत	ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक पालन करने के लिए	संख्या प्रतिभूति के रूप में र	दिनांक जमा करा दी है ।
4.	अब यह	लेख निम्ननांकित का र	नाक्ष्य है :-		
	1.	संलग्न निविदा प्रपत्र	में उल्लेखित दरों से 1 गई बुकलेट्स एवं	किए जाने वाले संव (फर्म का ना ओ० एम० आर० र्श	पीटीईटी के जरिए इसके साथ ायों में अनुमोदित क्रेता म) संलग्न निविदा प्रपत्र में ोट संबंधी संविदा तथा निविदा प्र करेगा ।
	2.	निविदा और संविदा कें संलग्न थी और इस इ करार को निष्पादित क	करार के साथ भी संव	लग्न है, इस करार व	देनांकके साथ ज अंग समझी जावेगी और इस
	3.	अनुमोदित क्रेता उपयुव तो महर्षि दयानन्द स	त रीति से उक्त शतें रस्वती विश्वविद्यालय, ों में उल्लेखित रीति	तथा प्रतिबंधों को म अजमेर समन्वयक,	ग्रह करार करता है कि यदि गनेगा और उनका पालन करेग पीटीईटी के जरिये अनुमोदित चेक सामान के लिए देय रकम
	4.	इस करार के अन्तर्गत के भीतर सभी प्रयोग मे			धि (अवकाश के दिनों सहित) शीट उठानी होगी ।
	5.	विश्वविद्यालय अपने र्	वेवेकानुसार माल उ	उाने की अवधि निवि	ल नहीं उठाता है तो विक्रेत वेदाकार से करारानुसार परि- धीन बढा सकेगा । यह वसूली
		क्रसं. विलग	न्ब अवधि		गोदाम किराया
		1. प्रथम सात दि	न की देरी पर	रुज	पये 500/- प्रति दिन

द्वितीय सात दिन की देरी पर तृतीय सात दिन की देरी पर तथा 30 दिन तक

2.

रूपये

रूपये

700 / - प्रति दिन

1000 / - प्रति दिन

*

6. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर एतद् द्वारा यह करार करता है कि यदि अनुमोदित क्रेता उपर्युक्त रीति से उक्त शर्तो तथा प्रतिबंधों को मानेगा और उनका पालन करेगा तो महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर समन्वयक, पीटीईटी के जिए अनुमोदित क्रेता को क्रय किए गए सामान की डिलेवरी निम्न प्रकार से करेगा :--

"विक्रय की जाने वाली सामग्री की डिलीवरी यथा भरे हुए ट्रक / ट्रकों के सम्पूर्ण माल की अदायगी बैंकर चैक / ड्राफट द्वारा कार्यालय में जमा कराने पर ही दी जायेगी।" क्रेता द्वारा सम्पूर्ण माल की कीमत चुका कर यथा नियमानुसार उठाने के पश्चात ही उसके लिखित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर धरोहर राशि लौटा दी जावेगी। जिसमें करार के उपबंध सं. 5 के तहत गणनीय शास्ती अथवा अन्य वसूल योग्य राशि यदि कोई हो, की कटौती की जा सकेगी।

7. इस करार के संबंध में उत्पन्न होने वाले समस्त विवाद तथा इस करार के निर्वचन संबंधी समस्त प्रश्न विश्वविद्यालय द्वारा विनिश्चय किए जाएंगे तथा विश्वविद्यालय का विनिश्चय अंतिम होगा । कानूनी कार्यवाही की स्थिति में, अजमेर स्थित सक्षम न्यायालय ही क्षेत्राधिकार रहेगा ।

जिसके साक्ष्य में इसके दोनों पक्षों ने दिनांक को अपने हस्ताक्षर किए हैं।

अनुमोदित क्रेता के हस्ताक्षर

तारीख

साक्षी संख्या-1

साक्षी संख्या-2

विश्वविद्यालय के लिए तथा की ओर से हस्ताक्षर पदनाम तारीख

साक्षी संख्या-1

साक्षी संख्या-2





महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर बुकलेट्स / ओ.एम.आर.के निस्तारण हेतु निविदा

ANNEXURE -02

घोषणा पत्र (बोलीदाता व्यक्ति/कम्पनी/फर्म/एजेन्सी के लेटर पेड पर)

	मै / हम / (कम्पनी / फर्म / एजेन्सी का नाम एवं पता)
हूँ कि	:-
1.	निविदा क्रमांक
2.	मेरे / हमारे द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि मेरी / हमारी कम्पनी / फर्म / एजेन्सी को केन्द्र / राज्य सरकार अथवा किसी भी सरकारी उपक्रम द्वारा Black Listed नहीं की गया है।
	हस्ताक्षर

नाम: पद: कम्पनी / फर्म / एजेन्सी नाम : कम्पनी / फर्म / एजेन्सी पूर्ण पता :





महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

Annexure - E

घोषणा

उपरोक्त समस्त जानकारी/शर्तों का मैंने/हमने अच्छी तरह अध्ययन कर लिया है। मुझे/हमें यह भी स्वीकार है कि कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर का निर्णय हमारे मान्य होगा। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि मेरी/हमारी फर्म उक्त कार्य हेतु रजिस्टर्ड है तथा फर्म द्वारा वास्तव में बिड में चाहा गया व्यवसाय किया जाता है तथा वांछित मशीन/उपकरण/तकनीकी अनुभव व तकनीकी बिड में चाहा गया व्यवसाय किया जाता है तथा वांछित मशीन/उपकरण/तकनीकी अनुभव व तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध हैं। राज्य सरकार/बोर्ड/विश्वविद्यालय/स्वायतशासी संस्था/निगम/बैंक आदि के द्वारा मेरी/हमारी फर्म को ब्लैक लिस्ट नहीं किया हुआ है। प्रतीत स्वरूप बिड प्रपत्र में प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर (मय सील) कर दिये हैं।

यदि यह घोषणा असत्य पाई जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मेरी / हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समपहृत कर किया जा सकेगा तथा बिड को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा एवं नियमानुसार अन्य समस्त कार्यवाही भी की जा सकेगी।

दिनांक

बिडदाता के हस्ताक्षर मय रबर सील बिडदाता का नाम:-

पूर्ण पताः-दूरभाष नं.



Annexture - 3

DECLARATION BY TENDERERS

[See Rule 48 (vii)]

I/We declare that I am/we are bonafide/Manufacturers/Whole Sellers/Sole distributor/Authorised dealers/Sole selling/Marketing agent in the goods/Stores/equipments for which I/We have tendered.

If this declaration is found to be incorrect then without prejudice to any other action that may be taken, my/our security may be forfeited in full and the tender if any to the extent accepted may be cancelled.

Signature of the tenderer



महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर बुकलेट्स/ ओ.एम.आर. के निस्तारण हेतु निविदा

कार्य सम्पादन प्रतिभूति

(Performance Security)

कार्य सम्पादन प्रतिभूति (Performance Security) निम्नानुसार होगा :— 1 कार्य सम्पादन प्रतिभूति सफल बोलीदाताओं द्वारा कार्य आदेश की राशि का 25 प्रतिशत के बराबर कार्य सम्पादन प्रतिभूति आदेश की दिनांक से 07 दिवस में जमा करानी होगी।

2 कार्य सम्पादन प्रतिभूति किसी अनुसूचित बैंक का ड्राफ्ट या बैंकर चैक / नकद किसी एक रूप में दी जायेगी।

- 3 कार्य सम्पादन प्रतिभूति का समपहरण (Forfieture of Performance Security) :-निम्नलिखित मामलों में प्रतिभूति राशि का समपहृत कर लिया जाएगा :-
 - 1. जब संविदा में किन्हीं निबंधनों और शर्तों का उल्लघंन किया गया हो।
 - 2. जब बोलीदाता कार्य संतोषजनक ढंग से करने में असफल रहता हो।

 जमा कराई गई प्रतिभूति निक्षेप को समपहृत करने से पूर्व युक्तियुक्त समय देते हये बोलीदाता को नोटिस दिया जाएगा।

4. बयाना राशि / प्रतिभूति निक्षेप की समपहृत की गई राशि संबंधित विभाग के शीर्ष अन्य प्राप्तियों में जमा करायी जाएगी तथा अन्तरण प्रविष्टि की व्यवस्था के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

4 कार्य संपादन प्रतिभूति प्रतिदाय :— अनुबंध की अवधि समाप्त होने के 02 माह पश्चात् प्रतिभूति निक्षेप बोलीदाता को लौटा दिया जावेगा। प्रतिभूति राशि, अमानत राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा।

बोलीदाता से वसूली की जाने योग्य राशि की वसूली उसको देय बिल में से की जायगी। राशि अधिक होने पर कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि में से भी की जा सकेगी।

6 बोलीदाता से वसूल की जाने योग्य राशि कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि से अधिक होने पर मांग पत्र जारी करने पर नगद इस कार्यालय में जमा करानी होगी। इस मांग पत्र पर जमा नहीं कराने पर पी.डी.आर. एक्ट के तहत् वसूली की जा सकेगी।

5



महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर बुकलेट्स/ ओ.एम.आर. के निस्तारण हेतु निविदा

बिड अमानत राशि (Bid Security)

बोलीदाता द्वारा तकनीकी बिड के साथ बिड अमानत राशि निम्न शर्तों के अन्तर्गत जमा करवाया जाना अपेक्षित है :--

ठेकेदार/बोलीदाता द्वारा बिड में अभिलिखित किये अनुमानित मूल्य का 2% (दो प्रतिशत) अमानत बिड के साथ जमा कराया जाना अनिवार्य होगा। बिना बिड अमानत के बिड पर विचार नहीं किया जाएगा।

2 बिंड अमानत राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में कुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती

विश्वविद्यालय, अजमेर को देय स्वीकार की जाएगी।

3 असफल बोलीदाताओं की बिड अमानत का प्रतिदाय सफल बिड की अंतिम स्वीकृति और करार के हस्ताक्षर करने और कार्य सम्पादन अमानत प्रस्तुत करने के पश्चात् शीघ्र कर दिया जायेगा।

- 4 सफल बोलीदाता की बिंड अमानत राशि (अर्नेस्ट मनी) को कार्य सम्पादन प्रतिभूति (Security Deposite) में समायोजन की जाएगी तथा शेष कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि (Security Deposite), करार के निष्पादन के समय ली जाएगी। यदि सफल बोलीदाता द्वारा पृथक से पूर्ण प्रतिभूति राशि जमा करा दी गयी है तो जमा कराई बिंड अमानत लौटा दी जावेगी।
- 5 बिंड अमानत (अर्नेस्ट मनी) का समपहरण (Forfieture of Earnest Money) :-निम्नलिखित मामलों में बिंड अमानत राशि को समपहृत कर लिया जाएगा।
 - जब बोलीदाता बिड को खोलने के बाद किन्तु बिड को स्वीकार किये जाने से पूर्व अपने प्रस्ताव को वापस ले लेता है या उसमें उपान्तरण करता है।
 - 2 यदि वह विनिर्दिष्ट समय के भीतर करार, का निष्पादन नहीं करता है
 - 3 जब वह विहित समय में कार्य प्रारम्भ करने में असफल रहता है।
 - जब बोलीदाता बोली स्वीकृति आदेश देने के बाद कार्य सम्पादन अमानत जमा नहीं कराता है।
- 6 जमा कराई गई बिड अमानत राशि को समपहृत करने से पूर्व युक्तियुक्त समय देते हुये बोलीदाता को नोटिस दिया जाएगा।

#

Annexure A: Compliance with the Code of integrity and No Conflict of interest

Any person participation in a procurement process shall -

- (a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti –competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

- A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with application laws and regulations. i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to.
- a. Have controlling partners/shareholders in common: ot
- b. Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them, or
- c. Have the same legal representative for purposes of the Bid; or
- d. Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
- e. The Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid'; or
- f. the Bidder or any of it's a ffiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specification of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid ;or
- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hred) by the procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Appellant Signature





Annexure B : Declaration be the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to may/our bid submitted to			for
procurement of			
to their Notice Inviting Bids No			Dated
I/we hereby declare under Section	7	of	Rajasthan
Transparency in Public Procurement Act. 2012, that:			

- 1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity:
- 2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document:
- 3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
- 4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements of misrepresentations as to my/our qualifications to enter into procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
- 5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competitions;

Date:

Signature of bidder Name Designation; Address:



Annexure C: Grievance Redressed during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is -----The designation and address of the Second Appellate Authority is -----

(1) Filling an appeal

> If any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days form the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved;

> Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by

a Bidder who has participated in procurement proceedings;

Provided further that in case a procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable:

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall Endeavour to dispose it of within days from the date of

- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder of prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.
- (4) Appeal not to lie in certain cases No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely;-

Determination of need of procurement; (a)

- Provisions limiting participation of Bidders in Bid process: (b)
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations:

(d) Cancellation of a procurement process;

(e) Applicability of the provisions of confidentiality,

Form of Appeal (5)

(a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form alongwith as may copies as there are respondents in the appeal.

(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated stated in the appeal and proof of payment of fee.

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

(6) Fee for filing appeal

(a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

(b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft of banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

- The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing (7)of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
 - (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies therof relating to the matter.





(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Appellant' Signature



ANNEXURE D: Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is contained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price sthall be corrected, unless in the opinion of the procuring Entity there is and obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the Total shall be corrected; and

iii. if there is a discrepancy between words is related to and arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities.

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works of services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document, It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (iii) In case procurement of Goods of services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be récovered from the Supplier.





3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidder in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

Appellant' Signature